



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 434]  
No. 434]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 29, 1983/आश्विन 7, 1905  
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 29, 1983/ASVINA 7, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1983

का० आ० 697 (अ)/18कक/उ० वि० वि० अ०/83:-  
भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास  
विभाग) के आदेश सं० का० आ० 752 (अ)/18कक/उ० वि०  
वि० अ०/77, तारीख 4 नवम्बर, 1977 (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा, मैसर्स सांभा-  
सुन्दरम स्पिनिंग मिल्स, मुथनेन्दल, रामनाथपुरम जिला,  
तमिलनाडु नामक संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उद्योग  
(विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का  
65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खंड (अ) के  
अधीन 4 नवम्बर, 1977 से पांच वर्ष की अवधि के लिए  
ग्रहण किया गया था और उक्त संपूर्ण औद्योगिक उपक्रम  
का प्रबंध ग्रहण करने के लिए तमिलनाडु वस्त्र निगम को  
प्राधिकृत किया गया था।

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास  
विभाग) के आदेश सं० का० आ० 778 (अ)/18कक/उ० वि०  
वि० अ०/82 तारीख 3 नवम्बर, 1982 द्वारा, उक्त आदेश  
का अवधि 3 मई, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी  
सम्मिलित है, छह मास की और अवधि के लिए बढ़ा दी  
गई थी;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक  
विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 350 (अ)/18कक/  
उ० वि० वि० अ०/83-तारीख 2 मई, 1983 द्वारा, उक्त  
आदेश की अवधि 30 सितम्बर, 1983 तक, जिसमें यह  
तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रिय सरकार की यह राय कि लोकहित में यह  
समीचीन है कि उक्त आदेश, 31 मार्च, 1984 तक की  
जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और अवधि के लिए  
प्रभावी बना रहे;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 31 मार्च, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फाइल सं० 3(14)/77-सी० यू० एस०]  
ए० पी० सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 29th September, 1983

S.O. 697(E)/18AA/IDRA/83.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 752(E)/18AA/IDRA/77, dated the 4th November, 1977 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Somasundram Super Spinning Mills, Muthanendal, Ramanathapuram District Tamil Nadu, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years from the

4th November, 1977, and the Tamil Nadu Textile Corporation was authorised to take over the management of the whole of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 778(E)/18AA/IDRA/82, dated the 3rd November, 1982, the period of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 3rd May, 1983;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 350(E)/18AA/IDRA/83, dated the 2nd May, 1983, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 30th September, 1983;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of 31st March, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1984.

[File No. 3(14)/77-CUS]  
A. P. SARWAN, Jt. Secy.